पटना विश्वविद्यालय
Patna University

Estd. 1917

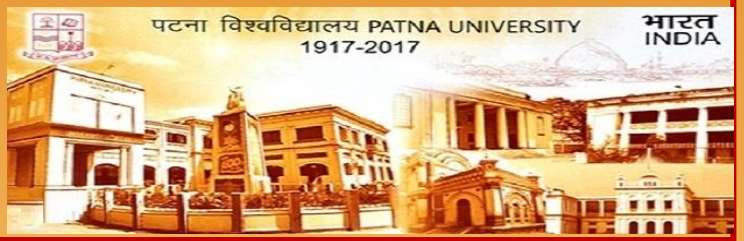

Patna University In News (15.09.2022)

THE TIMES OF INDIA

Hindi Diwas celebrated in Patna colleges

PATNA: Educational institutions in the city on Wednesday celebrated Hindi Diwas with enthusiasm by organizing literary and cultural programmes and debate and speech competitions for students. They wanted to showcase the importance of the day and raise awareness about the use of the national language, Hindi. Addressing the celebrations at Patna Women's College, Patna University Hindi department head Tarun Kumar called upon students to use Hindi in their day-to- day work and also in their professional duties. He said Hindi's use has increased manifold with the advent of globalization and it is finding greater applications in the field of science and technology. College Hindi department head Manjula Sushila welcomed the guests and outlined the importance of the day.

The winners of various inter-departmental competitions organized in the college were given prizes. The winners included Nidhi, Shivani, Apoorva (writing contest) and Kesa, Tripti and Nancy (debate). A speech contest on "Contribution of Hindi in creation of scientific awareness" was organized for the students of PU geology department. Pallav, Rishi Kant, and Priya were awarded first, second and third prizes, respectively, in the contest.

Department head Atul Aditya Pandey, in his presidential remarks, observed that Hindi has certainly played an important role in creating a scientific temper in Indian society. PU students' welfare dean Anil Kumar also addressed the students. Bhavuk Sharma conducted the programme. At a programme organized by the Hindi department of Magadh Mahila College, eminent litterateur Shiv Narain Singh threw light on the role of Hindi in the national freedom struggle and also in the post-independence development in the country. College Hindi department head Shipra Prabha welcomed the guests.

PU Hindi department organized a debate contest on the topic "The country has no future without making teaching of English compulsory", in which Aftab Raza, Nilima Kumari and Samir Kumar were awarded the first, second and third prizes, respectively. PU Hindi teacher Dilip Ram addressed the students.

दैनिक भास्कर

पटना विश्वविद्यालय • 2022-25 सत्र से सीबीसीएस स्नातक रेगुलर कोर्स में लागू

पीयू : सीबीसीएस तो लागू पर स्किल इनहांसमेंट पढ़ाने को शिक्षक ही नहीं

अमित कुमार, पटना

पटना विश्वविद्यालय में 2022-25 सत्र से च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम(सीबीसीएस) को स्नातक रेगुलर कोर्स में लागू कर दिया गया है। वर्तमान सत्र में इसकी पढ़ाई भी शुरू हो गयी है लेकिन सीबीसीएस का जो नया सिलेबस है, उसे पढ़ाने में शिक्षकों को कुछ व्यवहारिक दिक्कतें आ रही हैं। शिक्षकों से मिली जानकारी के अनुसार कोर व सब्सिडरी पेपर पहले की ही तरह हैं, उसमें किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है बस उनका नाम चेंज हुआ है, लेकिन कुछ एक्सट्रा विषय स्किल इनहांसमेंट कोर्स (एसइसी) के नाम से जोड़े गए हैं, जो बिल्कुल नए हैं। इनका पूरा एक बॉस्केट है। उसी में कई विषय हैं जिनमें से छात्रों को चुनना है। उसके अनुसार विभागों को भी छात्रों की क्लास अरेंज करनी है। लेकिन समस्या यह है कि उक्त विषय को तो जोड़ दिया गया है पर उन विषयों में कोई भी नियमित शिक्षक कॉलेज में नहीं हैं।

वोकेशनल कोर्स में विजिटिंग फैकल्टी से होती है पढ़ाई

स्नातक सामान्य कोर्स में लागू करने से पहले स्नातक वोकेशनल कोर्स में भी सीबीसीएस लागू किया गया था। वहां पर चूंकि सेल्फ फाइनांस के तहत पढ़ाई होती है, वहां पर शिक्षकों को प्रति क्लास के अनुसार पढ़ाने के लिए बुलाया जाता है लेकिन सामान्य कोर्स में ज्यादातर नियमित शिक्षक ही पढ़ाते हैं। दूसरे विभाग के शिक्षक अन्य विभाग में पढ़ाने नहीं जाना चाहते हैं क्योंकि इससे उन्हें कोई विशेष फायदा नहीं है। वहीं शिक्षकों की पहले से विभागों में काफी कमी है, इसलिए वहीं से उन्हें फुर्सत नहीं है। वहीं कुछ विषय तो ऐसे हैं, जिनमें पूरे विश्वविद्यालय में ही नियमित शिक्षक नहीं हैं। सामान्य कोर्स की फीस इतनी कम है कि विजिटिंग फैकल्टी से पढ़वाने के लिए कॉलेज के पास फंड ही नहीं है। शिक्षकों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि अभी तो फर्स्ट सेमेस्टर है और ऑनर्स विषयों की पढ़ाई कोर विषय के तौर पर करायी जा रही है लेकिन आने वाले समय में विभागों में इस वजह से काफी परेशानी हो सकती है।

स्किल इनहांसमेंट को पढ़ाने के लिए कुछ दिक्कतें हैं। एक तो यह हर ऑनर्स विषय में पढ़ाया जा रहा है और एक साथ सभी विषयों को मर्ज कर पढ़वाने के लिए बड़ा क्लास रूम नहीं है। विधि के द्वारा कुछ गेस्ट फैकल्टी की बहाली मंथली बेसिस व प्रति क्लास के लिए की गयी है, उन शिक्षकों से भी कुछ हद तक सिलेबस को कवर कराया जाएगा।
-प्रो राजकिशोर प्रसाद, प्राचार्य, वीमेन कॉलेज व साइंस कॉलेज

स्किल इनहांसमेंट में जहां शिक्षक नहीं हैं, वहां पर कॉलेज को उसके लिए व्यवस्था करनी है। अगर विजिटिंग फैकेल्टी भी बुलाना पड़े तो वे बुला सकते हैं। दूसरा कि 'स्वयं' के तहत ऑनलाइन कोर्स भी चल रहे हैं, छात्र उसे भी चुन सकते हैं। उसकी क्रेडिंग भी मूल रिजल्ट में जोड़ने का विधि प्रावधान कर चुकी है।
-प्रो वीरेंद्र प्रसाद, आईटी सेल के निदेशक, पटना विश्वविद्यालय

पटना विश्वविद्यालय
Patna University

Estd. 1917

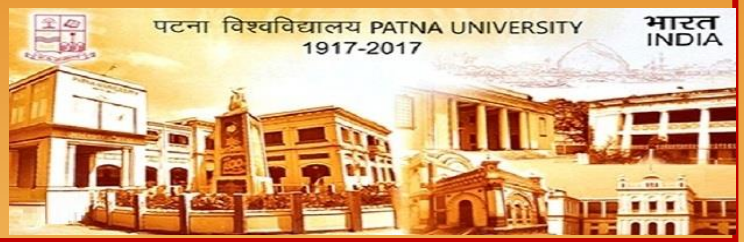

Patna University In News (15.09.2022)

THE TIMES OF INDIA

Now, law is most preferred subject in Patna University

PATNA: If the number of applications received for the admission to the postgraduate (PG) courses of Patna University (PU) in the current academic session (2022-23) is any indication, law seems to be the most preferred subject for the aspirants. The last date for online submission of forms ended on Tuesday.The LLM and LLB courses have received the maximum number of applications this year. While as many as 2,282 candidates have applied for the admission to 120 seats in LLB course, 329 applications have been received for the admission to 20 seats in LLM. Both these courses are running in Patna Law College premises of PU. PU students' welfare dean Anil Kumar said based on the number of applications received it can be inferred that the Master of Education (MEd) is the next most popular course as it has attracted altogether 846 candidates. Admission to the BEd course is made through a state-level combined BEd entrance test. There are two BEd colleges, namely, Patna Training College and Women's Training College, in PU.

Other popular subjects at the PG level are commerce, history, political science and geography (in the faculty of social science) and zoology, physics and chemistry and MCA (in the faculty of science). As many as 672 candidates have applied for 200 seats in commerce and 195 applications have been received for 45 seats in MCA course. The number of applications received for the admission in history, political science and geography are 404, 339 and 265 against 120, 82 and 84 seats, respectively. The number of applications received for the admission in zoology, physics and chemistry are 444, 287 and 247 against 40, 50 and 64 seats, respectively.

However, there is very little rush for admission in most language courses in PU. Except English, Hindi and Urdu, all other language courses have been drawn almost blank. The number of applications received in these courses is much less than the number of sanctioned seats.

For instance, only one application has been received against 18 seats in Persian, five applications against 20 seats in Bangla, 19 against 30 seats in Maithili and 28 against 40 seats in Sanskrit.

Bangla, Maithili and Persian courses are facing almost closure due to lack of faculty and students. Bangla was once taught in several institutions, namely, Patna Women's College, Magadh Mahila College, B N College and Patna College, but it is now only confined to Patna College and PU postgraduate department.

In the recently concluded undergraduate admissions, not a single student was admitted to Bangla subject in any constituent college of PU. It is mainly due to the fact at most places there is no teacher to teach the students, said the dean. "The posts of teachers have already been advertised and the appointments are likely to be made soon," he added.

दैनिक जागरण

पीयू के छात्र आकिल युवा संसद में भाग लेंगे

पटना : पटना ला कालेज के छात्र आकिल ईमाम खान 15 से 17 सितंबर तक आइजीपीआरएस, जयपुर में आयोजित भारतीय युवा संसद के 21वें राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेंगे। यह अधिवेशन अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर राजस्थान विस के स्पीकर के मार्गदर्शन में हो रहा है। (जासं)

दैनिक भास्कर — पटना विश्वविद्यालय

पीयू : साइंस कॉलेज ने चेस चैंपियनशिप खिताब जीता

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

पटना विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता 2022 का आयोजन पटना लॉ कॉलेज में संपन्न हुआ। पटना साइंस कॉलेज की टीम ने 9 पॉइंट बनाकर विश्वविद्यालय का चैंपियनशिप खिताब जीत लिया। वहीं दरभंगा हाउस (पीजी कॉलेज) की टीम ने 8 पॉइंट बनाकर विश्वविद्यालय के उपविजेता बनी। विजेता रहे पटना साइंस कॉलेज की टीम में गणित विभाग से मितुल आनंद, पटना विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर रसायन शास्त्र के छात्र चंदन कुमार चंचल, पुर्षोत्तम, सुधांशु शेखर, आदित्य प्रियदर्शी एवं सत्यम सिंह थे। वही उपविजेता रहे दरभंगा हाउस से वेदांत नेहल, अमित हंसराज, वारिस एवं अंशु रंजन थे।

वहीं छात्रा वर्ग में पटना वीमेंस कॉलेज 8 पॉइंट बनाकर विजेता बनीं। जबकि मगध महिला कॉलेज की टीम 6 पॉइंट बनाकर उपविजेता बनीं। अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता 2022 आर्बिटर आशीष राज एवं मिंकी सिन्हा के द्वारा कराया गया। विजेता एवं उपविजेता टीम को पटना विश्वविद्यालय के स्पोर्ट बोर्ड के अध्यक्ष चौधरी सरफुद्दीन एवं स्पोर्ट बोर्ड के सचिव डॉ शिव सागर ने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई किया। पटना साइंस कॉलेज के प्राचार्य प्रो राजकिशोर प्रसाद सिंह ने सभी विजेताओं की बधाई दी और कहा कि हमारे विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। पटना लॉ कॉलेज के शिक्षक सह स्नातकोत्तर छात्रावास के अधीक्षक डॉ शिवशंकर, साइंस कॉलेज के पीटीआई मो जावेद खान ने भी सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।